ई.एच.आई.–03

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2015 और जनवरी 2016 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–03

पाठ्यक्रम शीर्षक : भारत : 8वीं शताब्दी से 15वीं शताब्दी तक

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य
2015–2016

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–03

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको बी.डी.पी. की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्र	जमा करने की तिथि	कहां जमा करना है
जुलाई 2015 सत्र के लिए	**31 मार्च 2016**	**पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।**
जनवरी 2016 सत्र के लिए	**30 सितम्बर 2016**	

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लीजिए।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें :

सत्रीय कार्य करने से पहले ध्यान रखें : सामाजिक विज्ञानों में किसी भी तरह के लेखन के लिए चार सोपान आवश्यक हैं। ये हैं (क) योजना (ख) वस्तु चयन (ग) प्रस्तुतीकरण (घ) व्याख्या

क) **योजना** : आपसे क्या प्रश्न पूछा गया है और उत्तर में क्या लिखना है। इस पर विचार कीजिए। इकाइयों का ठीक तरह से अध्ययन कीजिए। कुछ अतिरिक्त जानकारी चाहें तो पुस्तकालय का उपयोग कीजिए।

यह देखें कि प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना है या 250 शब्दों में या सिर्फ 100 शब्दों में। बड़े प्रश्नों के लिए विवरणों के साथ व्याख्या भी करनी होगी। तीसरे प्रकार के प्रश्न के उत्तर में संगत विवरणों को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

ख) **वस्तु चयन** : उत्तर देने के लिए आपको सही तथ्यों तथा विवरणों का चयन करना होगा। इसके लिए आप (i) अपनी इकाइयों से नोट्स लें (ii) तथ्यों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए अनावश्यक विवरण निकाल दें और (iii) उत्तर का पहला खाका लिख लें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप उत्तर में क्या सूचनाएं/विवरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

ग) **प्रस्तुतीकरण** : अब आप उत्तर का दूसरा खाका तैयार करें। इससे आप अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त कर सकेंगे। आप यह भी जान सकेंगे कि दी गयी शब्द सीमा में आप बात कैसे कह सकते हैं।

उत्तर का तीसरा और अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए और देखिए कि आपने सारी आवश्यक बातें अपेक्षित शब्द सीमा में प्रस्तुत की हैं या नहीं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या की प्रकिया का अनन्य स्थान है। आपकी योजना तथा वस्तु चयन में भी व्याख्या की झलक दिखाई देगी। संभवतः, शायद, क्योंकि, इसलिए, आदि शब्दों के साथ आपके वक्तव्य व्याख्या की झलक देते हैं। यहां आपको ध्यान रखना होगा कि आपके तथ्य आपके वक्तव्य का समर्थन करते हैं अथवा नहीं।

टिप्पणी : अगर आपके पास समय सीमित हो तो :

1) पहला प्रारूप तैयार करें, उत्तर की संगतता, शब्द सीमा, आदि पर ध्यान दें, और
2) अंतिम प्रारूप तैयार करें।

अब आप उत्तर लिखने के लिए तैयार होंगे।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
ई.एच.आई.–03
भारत : 8वीं शताब्दी से 15वीं शताब्दी तक

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–03
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.आई.–03/
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2015–2016
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखे हैं।

भाग 1: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. व्यापारियों की श्रेणियों की व्याख्या कीजिए। यह किस प्रकार कार्य करती थीं ? 20

अथवा

दिल्ली सुल्तानों की मंगोल नीति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. विजयनगर साम्राज्य के राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक जीवन पर धर्म तथा धार्मिक वर्गों ने क्या भूमिका अदा की ? 20

अथवा

मध्य काल में उत्तर भारत में भक्ति आन्दोलन के उदय के लिए उत्तरदायी कारकों की चर्चा कीजिए। ऐकेश्वरवादी भक्ति आन्दोलनों की प्रमुख विशेषताएं क्या थीं ?

भाग 2: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. पश्चिम भारत में वंशीय शक्ति के निर्माण और सुदृढ़ीकरण पर एक टिप्पणी लिखिए। 12

अथवा

नाडु की व्याख्या कीजिए। क्यों और कैसे नाडु की आंतरिक संरचना में 9-11वीं शताब्दियों के मध्य परिवर्तन आए ?

4. तुर्की शासक वर्ग की संरचना क्या थीं ? क्या आप इस मत से सहमत हैं कि सल्तनत काल में अधिशेष के प्रमुख उपभोगकर्ता वे ही थे ? 12

अथवा

13-14वीं शताब्दियों में कुओं से पानी निकालने की प्रमुख तकनीकें क्या थीं ? किस हद तक साकिया (Persian Wheel) मध्य काल में कृषि में क्रांति लाने में सफल हुआ ?

5. चिश्ती तथा सुहरावर्दी सिलसिलों के मध्य प्रमुख मतभेदों की तुलना कीजिए। चिश्तियों की लोकप्रियता के प्रमुख कारण क्या थे ? 12

अथवा

मध्यकाल में महिलाओं की स्थिति पर एक टिप्पणी लिखिए।

6. तुगलक स्थापत्य की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं ?व्याख्या कीजिए। 12

अथवा

8-15वीं शताब्दियों के मध्य क्षेत्रीय भाषाओं के विकास की सामाजिक पृष्ठभूमि का वर्णन कीजिए।

भाग 3: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

7. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए** : 6+6

क) प्रारम्भिक मध्यकाल में शूद्रों का कृषकों के रूप में उदय
ख) दिल्ली सुल्तानों का दक्खन तथा दक्षिण की ओर विस्तार
ग) मुहम्मद बिन तुगलक के कृषि संबंधी सुधार
घ) जौनपुर का शर्की राज्य